7 नया नौकर

श्रीमती जयराम सिर थामे चिंतित बैठी थीं। कल रात तक सब कुछ ठीक था, पर आज सुबह जब वे उठीं तब उन्होंने देखा कि घर का नौकर रामू कुछ सामान के साथ गायब था। पिछले एक वर्ष में उनके तीन नौकर भाग गए थे। पहला नौकर गिरीश उनके आदेशों को नहीं मानता था और उलटे-सीधे जवाब देता था। अतः, दो-तीन माह में ही उसे हटाना पड़ा। दूसरे नौकर श्याम को चोरी से दूध पीने और चीनी खाने की आदत थी, इसलिए वह भी नहीं टिक सका और आज रामू...।

सहसा कुछ सोचती हुई वे उछल पड़ीं। "मुझे यह पहले क्यों नहीं सूझा?" वे उठीं और अपने पति प्रोफेसर जयराम की प्रयोगशाला की ओर चल दीं। प्रोफेसर जयराम प्रसिद्ध रोबोट वैज्ञानिक थे। उस समय भी वे किसी रोबोट के सर्किट ठीक करने में लगे थे कि श्रीमती जयराम वहाँ पहुँच गईं।

"सुनिए जी, मुझे घर के कामकाज के लिए एक रोबोट चाहिए जो चोरी न करे और मेरे आदेशों का पूरी तरह पालन करे," श्रीमती जयराम ने अपनी इच्छा जताई।

प्रोफेसर जयराम ने उनकी ओर देखा, वे अपनी जिद से हटनेवाली स्त्री नहीं थीं। "तुम रोबोट के साथ निभा नहीं पाओगी। अच्छे-से-अच्छा रोबोट भी एक बच्चे के बराबर बुद्धि नहीं रखता। हमेशा बड़बड़ाने और ऊटपटाँग बोलने की तुम्हारी

आदेश (आज्ञा)	प्रयोगशाला	प्रसिद्ध	वैज्ञानिक	बड़बड़ाना (लगातार कुछ बेमतलब बोलना)
order	laboratory	famous	scientist	to mutter

4 भारत की लोकचित्रकलाएँ

"माँ, यह साड़ी आप पर बहुत सुंदर लग रही है। इसपर बने चित्रों से मेरी नजर ही नहीं हट रही," नीना ने माँ की साड़ी देखते हुए कहा।

माँ मुसकराते हुए बोलीं, "हाँ नीना, इसपर शानदार मधुबनी चित्रकला शैली के चित्र जो बने हैं।"

"यह मधुबनी चित्रकला शैली क्या है माँ?" नीना ने जानना चाहा।

माँ ने बताया, "मधुबनी एक लोकचित्रकला है। प्राचीन समय में हमारे देश के विभिन्न राज्यों में खुशी के अवसरों पर पौराणिक दृश्यों, देवी-देवताओं और प्रकृति पर आधारित चित्र घरों की दीवारों व फर्श पर बनाए जाते थे। अब ये कपड़े और कागज पर भी बनाए जाते हैं। ये चित्र खास चित्रकला के रूप में जाने गए। इन्हें लोकचित्रकलाओं का दर्जा दिया गया।"

"माँ, मुझे इन लोकचित्रकलाओं के बारे में बताओ न," नीना ने उत्सुकतावश कहा।

माँ ने नीना को चित्र दिखाते हुए बताना शुरू किया।

मधुबनी बिहार के मिथिला क्षेत्र में लोकप्रिय है। इसे मिथिला चित्रकला के नाम से भी जाना जाता है। इसमें विभिन्न आकृतियाँ बनाकर उनमें गहरे रंगों के मेल से आकर्षक चित्र बनाए जाते हैं। इसमें खुशी के अवसर जैसे

चित्रकला	पौराणिक	आकृति
painting	mythological	shape or design

मधुबनी चित्रकला

5 वायु प्रदूषण

आज शहर में बढ़ा प्रदूषण,
मुश्किल हुआ साँस का लेना।
शुद्ध हवा के बिन जीवन की,
संभव नहीं नाव को खेना।

चारों ओर धुआँ है फैला,
धुंध गगन में लगती छाई।
थोड़ी-सी दूरी की चीजें,
पड़ती हैं अब नहीं दिखाई।

धरती पर कुहरा-सा छाया,
घुटा-घुटा-सा रहता है दम।
दुबके रहते लोग घरों में,
निकल रहे हैं बाहर भी कम।

फैलाती हैं रोज प्रदूषण,
धुआँ उगलती लाखों गाड़ी।
फिर भी रात-दिवस बिन सोचे,
पेड़ों पर चलती कुल्हाड़ी।

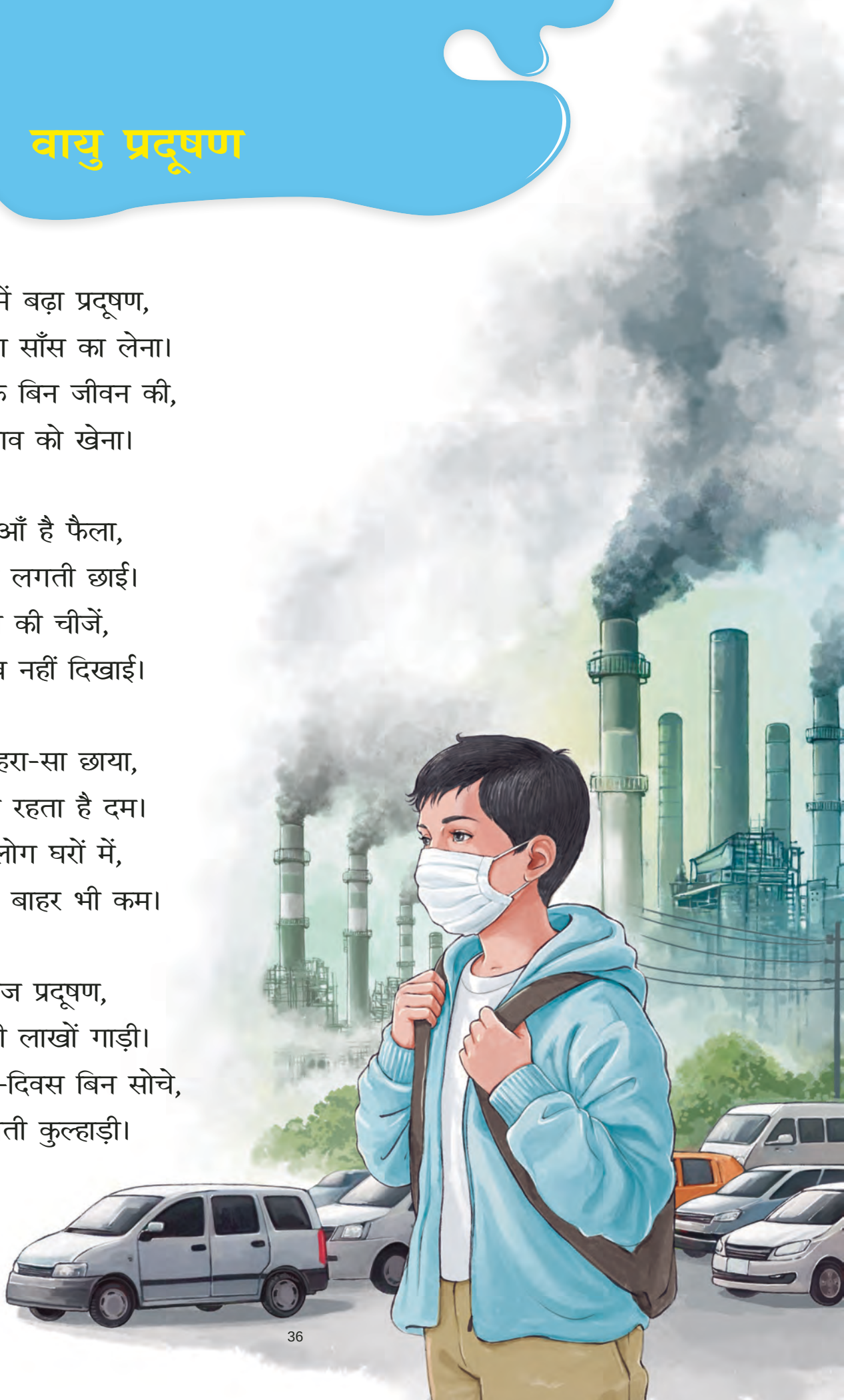

ग. गोताखोर के उदाहरण द्वारा कवि क्या समझाना चाहता है?

_____

_____

4. उत्तर अभ्यास पुस्तिका में लिखो। (Write the answers in your exercise book.)

क. असफलता को चुनौती मानने का क्या मतलब है?

ख. संघर्ष का मैदान क्यों नहीं छोड़ना चाहिए?

ग. कविता में चींटी और गोताखोर के प्रयासों में क्या समानता है?

5. इन शब्दों के विलोम रूप कविता से छाँटकर लिखो। (Write the antonyms from the poem.)

क. संदेह	विश्वास	घ. सफलता	_____	छ. अस्वीकार	_____
ख. निडर	_____	ङ. बेचैन	_____	ज. असहज	_____
ग. भरा	_____	च. जीत	_____	झ. उथला	_____

6. रंगीन शब्द के समानार्थी से रिक्त स्थानों को भरो।
(Fill in the blanks with synonyms of the words in colour.)

क. मुझे इस नौका में नहीं बैठना। मुझे दूसरी नाव चाहिए।

ख. दिन-रात परिश्रम करो। _____ का फल मीठा होता है।

ग. सिंधु में गोता न लगाना। _____ के किनारे खड़े होकर देखना।

घ. मछलियाँ पानी में तैर रही हैं। _____ ही इनका जीवन है।

7. रंगीन शब्द के सही अर्थ पर ✓ लगाओ। (✓ the correct meanings of the words in colour.)

क. कोशिश करनेवालों की हार नहीं होती।	पराजय / माला
ख. चढ़ती दीवारों पर सौ बार फिसलती है।	परंतु / के ऊपर
ग. मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती।	प्रत्येक / हरना
घ. संघर्ष का मैदान छोड़ मत भागो तुम।	विचार / नहीं

4. 'क्योंकि' से वाक्य पूरे करो।

क. लेखक को पाँच मील का रास्ता सहारा रेगिस्तान जैसा लग रहा था क्योंकि सड़क पर धूल की मोटी परत जमा थी।

ख. लेखक के दोस्तों ने उन्हें बार-बार बेवकूफ बनाया क्योंकि वह उन्हें दावत नहीं _____।

ग. लेखक ने घर पर दावत न देकर अपने मित्रों को बाहर दावत पर बुलाया क्योंकि उसकी पत्नी _____।

घ. मुरारी टंकी से नीचे नहीं उतर पा रहा था क्योंकि _____ _____।

5. इस अनुच्छेद को पढ़ो और पूछे गए मुहावरों को उनके अर्थ से मिलाओ।

तीन दिन तक किसी मित्र की सूरत न दिखी। चौथे दिन सब-के-सब एक साथ ही मेरे मकान पर आए। पहले इसके कि मेरा पारा चढ़े, मुरारी ने हँसते हुए कहा, "देखो, जब तक तुम हमें दावत न दोगे तब तक हम तुम्हें इसी तरह बेवकूफ बनाकर छकाया करेंगे।" मैं खड़ा दाँत पीसता रहा।

सूरत न दिखाना	मूर्ख बनाना
छकाना	गुस्सा आना
बेवकूफ बनाना	किसी का दिखाई न देना
दाँत पीसना	परेशान करना

6. उत्तर लिखो।

क. लेखक ने कौन-सी सड़क को 'पक्की सड़क' कहा?

_____

_____

7. दिए गए उपसर्गों का प्रयोग कर शब्द बनाओ।

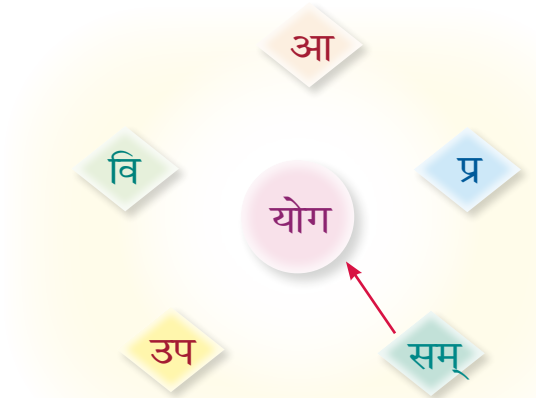

संयोग ____________ ____________ ____________ ____________

सम्मान ____________ ____________ ____________ ____________

8. समझो और करो।

विविध	विविध + ता	=	विविधता	कठिन	कठिन + आई	=	कठिनाई
शिक्षा	शिक्षा + अक	=	शिक्षक	धन	धन + वान	=	धनवान

> वे शब्दांश जो किसी शब्द के बाद लगकर उसका विशेष अर्थ प्रकट करते हैं, प्रत्यय (suffix) कहलाते हैं।

9. दिए गए प्रत्ययों का प्रयोग कर शब्द बनाओ।

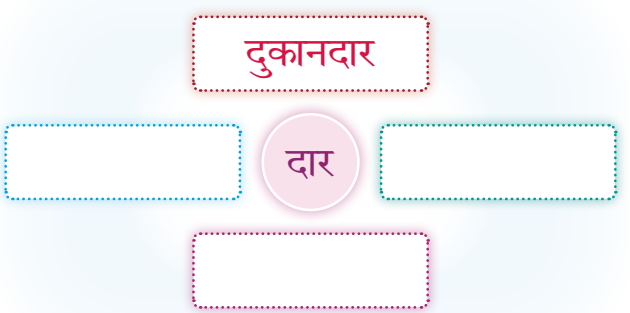

9. चर्चा करो। (Discuss.)

क्या तुमने कभी कोई ऐसी गलती की है जिससे कुछ सीखा हो। अपने अनुभव अपने सहपाठियों से साझा करो।

10. पढ़ो और समझो। (Read and understand.)

- ऐब का पुस्तक के प्रति प्रेम किसी से छिपा नहीं था।
- ऐब को पुस्तकों का बहुत शौक था।

रंगीन शब्दों से मन के भावों का पता चल रहा है।

जिस संज्ञा शब्द से भाव का बोध हो, उसे भाववाचक संज्ञा (abstract noun) कहते हैं।

11. इन वाक्यों में भाववाचक संज्ञा पर गोला लगाओ। (Circle the abstract nouns.)

क. पुस्तकों से उसका लगाव बहुत बढ़ गया था।

ख. पिता ने क्रोध में आकर पुस्तक छीन ली।

ग. पुस्तक देखकर उसके होश उड़ गए।

घ. तीन दिन तक उसने खेतों में मेहनत की।

ङ. ऐब की खुशी की कोई सीमा न थी।

12. दिए गए शब्दों से भाववाचक संज्ञा बनाओ।

घबराना	घबराहट	मारना	मार
हड़बड़ाना		हारना	
बौखलाना		दौड़ना	
चिल्लाना		जीतना	

मैं अपना सिर पकड़कर बैठ गया।

- सिर पकड़कर बैठना—अफसोस या दुख से सिर थामकर बैठना

ऐसा वाक्यांश, जो सामान्य अर्थ का बोध न कराकर किसी विशेष अर्थ का बोध कराए, मुहावरा कहलाता है।

9. पाठ में आए इन मुहावरों के अर्थ छाँटकर लिखो।

गुस्सा आना क्रोध रोकना खूब खोजना-ढूँढ़ना क्रोधभरी नजरों से देखना

क. मैंने सारा बाग छान डाला। _____

ख. पहले इसके कि मेरा पारा चढ़े, मुरारी बोला। _____

ग. किसी तरह अपना गुस्सा पीते हुए मैंने कहा। _____

घ. चार जोड़ी आँखें मेरी ओर आग उगल रही थीं। _____

10. दिए गए मुहावरों को उनके अर्थ से मिलाओ और अभ्यास पुस्तिका में इनका वाक्यों में प्रयोग करो।

अँगूठा दिखाना	परेशान करना
खून-पसीना एक करना	मूर्ख बनाना
नौ दो ग्यारह होना	बहुत प्यारा
नाक में दम करना	इनकार करना
आँख का तारा	भाग जाना
उल्लू बनाना	कठिन परिश्रम करना

गतिविधि

1. सिखों के दस गुरु हुए हैं। ऑडियो सुनो और वर्ग-पहेली में से ढूँढ़कर उनके नाम पर गोला लगाओ।

ना	न	क	दे	व	स	क	अ	प
च	क	ग	ज	अ	म	र	दा	स
अं	ग	द	दे	व	क	श	ह	गो
म	च	ग	प	घ	न	छ	इ	बिं
ह	म	ह	र	कि	श	न	प	द
र	न	स	मा	गु	प	हे	घ	सिं
रा	कु	ह	र	गो	बिं	द	च	ह
य	स	पे	चे	अ	र्जु	न	दे	व
ते	ग	ब	हा	दु	र	ध	प	ग
ज	फ	ल	से	रा	म	दा	स	प

2. अच्छी संगति की सीख देते इन दोहों को पढ़कर इनका अर्थ समझो और इन्हें एक चार्ट पेपर पर सुंदर अक्षरों में लिखकर कक्षा में लगाओ।

कबीर संगत साधु की, ज्यों गंधी का बास।
जो कुछ गंधी दे नहिं, तौ भी बास सुबास॥

सज्जन व्यक्ति की संगति इत्र बेचने-वाले की सुगंध के समान है। अगर इत्र बेचनेवाला इत्र नहीं भी बेचता तो भी उसके शरीर से सुगंध आती रहती है।

सज्जन व्यक्तियों से मिलने पर बुराइयाँ भी अच्छाइयाँ बन जाती हैं। समुद्र का खारा जल जब वाष्प बनकर बादलों में मिलकर बरसता है तब वह मीठा हो जाता है।

उत्तम जन सों मिलत ही, औगुन सोगुन होय।
घनसंग खारो उदधि मिली, बरसै मीठा होय॥